



WORLD'S
NO.1
MOTORCYCLE
Splendor+
अब **XTEC** के साथ



4 करोड़
खुशहाल
ग्राहक*

कम डाउन पेमेंट
₹4999[^]

ई.एम.आई.
₹2699[^] से शुरू

शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत
₹75766^{*}

कम ब्याज दर
9.99%* से शुरू

Hero अतिरिक्त
GoodLife कैश डिस्काउंट
₹2000^{*} तक



6000^{AA}
Months
Service interval

टोल फ्री
1800 266 0018



Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **As per the cumulative dispatch number till March 2023. *Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22). *Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only. *On successful redemption of Hero GoodLife Sales Voucher. Offer valid for eligible Hero GoodLife Members only. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. **Terms and Conditions apply. *Starting price of Splendor+ Drum Brake Kick Start in Jaipur.

अधिकृत डीलर: अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, नागौर: धारणिया हीरो, 9289922199, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700, किशनगढ़: अमित हीरो, 9289923056, मेड़ता सिटी: जय राना हीरो, 9289922841, कुचामन सिटी: राज हीरो, 9289923111, अधिकृत सर्विस पाइंट: ब्यावर: मंगलम ऑटोमोबाइल, 01462-258421, 9251321000, विजय नगर: कमल ऑटोव्हील्स, 01462-231761, 7014040994, केकड़ी: अग्रवाल ऑटो स्पेयर्स, सावर रोड़, 7023812796, डीडवाना: जाँगिड मोटर्स, 01580 223043 सरवड: कृष्णा मोटर्स, 230831, 9214030048, गोटन: मारुति मोटर्स, 8448389648, मसूदा: बालाजी मोटर्स, 01462-266692 9950437559, डेगाना: शुभम मोटर्स, 8107676760, मकराना: राज ऑटो एजेंसी, 9462523111 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700

विचार बिन्दु

कजूसी में तुझे जानता हूँ! तू विनाश करने वाली और व्यथा देने वाली है। -अथर्ववेद

मतदान अवश्य कीजिए

लोकसभा चुनाव, 2024 के प्रथम चरण में जयपुर सहित राजस्थान की 12 लोकसभा सीटों के लिए मतदान 19 अप्रैल, 2024 को होगा। राजस्थान की शेष 13 सीटों के लिए मतदान 26 अप्रैल को दूसरे चरण में होगा। देश में कुल सात चरणों में यह मतदान होगा, जिसकी मतगणना 4 जून को होगी और उसी दिन परिणाम भी घोषित हो जाएगा। विजय उस उम्मीदवार को मिलती है जिसे सर्वाधिक मत प्राप्त होते हैं। डाले गए मतों में से 30-35 प्रतिशत मत प्राप्त करके भी उम्मीदवार विजय प्राप्त कर लेते हैं। यदि इसे संसदीय क्षेत्र के कुल मतदाताओं के सन्दर्भ में देखा जाय तो यह 15-20 प्रतिशत ही रह जाता है, क्योंकि मतदान का प्रतिशत लगभग 65-70 प्रतिशत रहता है। किसी भी क्षेत्र का सही प्रतिनिधि तब कहला सकता है जब संसदीय क्षेत्र के अधिकांश मतदाताओं का समर्थन उसे प्राप्त हो। इसके लिए यह आवश्यक है कि अधिकाधिक मतदाता मतदान करें।

चुनाव आयोग की ओर से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के कई प्रयास हर चुनाव से पूर्व किए जाते हैं एवं मतदाताओं से अपील भी की जाती है कि वह अधिकाधिक संख्या में अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इस बार का चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी राजनीतिक दल अपनी ओर से पूरा प्रयास कर रहे हैं कि वह इसमें विजय प्राप्त करें। यदि 30-35 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे तो कोई उम्मीदवार जीत कर लोकसभा का सदस्य तो बन जाएगा किंतु यह कहना बहुत सही नहीं होगा कि वह उस क्षेत्र के मतदाताओं का पूरा प्रतिनिधित्व करता है।

शत प्रतिशत मतदान नहीं होने के कई कारण हैं। एक प्रमुख कारण तो यह है कि कई लोग अपने काम में लगे रहते हैं और उनके नियोजन, विशेषकर निजी क्षेत्र के नियोजन, आदेशों के बावजूद भी अपने कर्मचारियों को मतदान करने के लिए आवश्यक अवकाश उपलब्ध नहीं कराते हैं। सबको पता होना चाहिए कि कोई भी नियोजन, किसी भी मताधिकार को अपने मत देने के अधिकार से वंचित नहीं कर सकता है चाहे इसके लिए उसे काम हेतु, वैकल्पिक व्यवस्था ही क्यों न करनी पड़े। मतदाताओं की उदासीनता एवं निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण आज भी बहुत बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में मतदान करने के योग्य हैं, किंतु मतदाता सूची में उनका नाम किसी न किसी कारण से अंकित नहीं है। इसलिए वह मतदान के अधिकार से वंचित रहते हैं। आशा की जानी चाहिए कि इस बार ऐसे लोग बहुत कम होंगे जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं होगा। फजी मतदान की संभावना अधिक हो जाती है जब मतदाता सूची में कई ऐसे लोगों के नाम हों जो संबंधित क्षेत्र में नहीं रहते हैं अथवा कहीं बाहर पलायन कर गए हैं। इस बार में वैसे तो सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं तथा निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को पूर्णतया सचेत रहने की आवश्यकता होती है ताकि केवल ऐसे व्यक्ति का नाम ही मतदान सूची में अंकित किया जाए जो सामान्यतः किसी स्थान पर निवास करता है।

ऐसे दृश्य भी सामने आते हैं जब कई लोग वोटर आईडी लिए मतदान केंद्र के बाहर खड़े होते हैं किंतु उन्हें मतदान करने नहीं दिया जाता सबके लिए जानना आवश्यक है की वोटर आईडी होने से मतदान का अधिकार नहीं मिलता अभी दो मतदान का अधिकार उसी को मिलता है इसका नाम उसे केंद्र की मतलब सूची में अंकित है वोटर आईडी पहचान के लिए आवश्यक काम में लिया जा सकता है। कई बार मतदाता इसलिए भी मतदान केंद्र तक नहीं जाते हैं कि उन्हें लगता है कि उसका जीवन तो वैसे ही चलना है, चाहे कोई भी जाते या हारो। उसके जीवन पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ना है। वह धारणा कदाई सही नहीं है, क्योंकि देश का शासन उन लोगों के द्वारा चलाया जाएगा, जिन्हें मतदाता सर्वाधिक समर्थन देगा।

यह उल्लेखनीय है कि भारत, उन गिने-चुने देशों में है जहां स्वतंत्रता के बाद पहले चुनाव से ही प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को मत देने का अधिकार मिल गया। इसमें पुरुष, महिला, अमीर, गरीब, शिक्षित, अशिक्षित, ग्रामीण, शहरी, सबको एक मत का समान अधिकार मिला। इसमें जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर भी कोई भेदभाव नहीं है। विश्व के बहुत कम ऐसे देश हैं जहां स्वतंत्रता के बाद पहले चुनाव से ही सभी वयस्क लोगों को मतदान का अधिकार प्राप्त हो गया हो। कई चुनावों में मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष थी, जिसे राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने पर घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया। यह भी देखा गया है कि कई बार कम आयु के युवा मतदान में अधिक रुचि नहीं लेते हैं। जब शिक्षित युवा अपने लोकतंत्र में इतनी कम रुचि दर्शाएंगे तो यह देश के लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य नहीं करेगा।

यह सुझाव भी दिया गया है कि मतदान को अनिवार्य कर दिया जाए और मत न दे उसे दण्डित किया जाय। इसकी व्यावहारिक कठिनाईयों को देखते हुए एवं यह जानते हुए कि कई लोग चाहते हुए भी, परिस्थितिवश मतदान नहीं कर पाते, अभी तक मतदान को अनिवार्य बनाया नहीं गया है।

इस आलेख का मुख्य उद्देश्य इस बात को पाठकों तक पहुंचाना है कि उनके लिए मतदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई लोग मतदान करने के लिए इसलिए नहीं जाते हैं कि वह पहले ही यह धारणा बना लेते हैं कि विशेष व्यक्ति या दल जीतगा एवं उनके एक वोट से क्या अंतर पड़ेगा। यह सोच लोकतांत्रिक अवधारणा के बिल्कुल विपरीत है क्योंकि प्रत्येक वोट अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां राजा की वह कहानी याद रखनी चाहिए जिससे सभी नागरिकों से एक लोटा दूध एक तालाब में डालने के लिए कहा गया था किंतु सब नहीं यह सोच लिया कि दूसरे तो दूध डालेंगे ही मैं एक लोटा पानी डालूँ तो क्या फर्क पड़ेगा और प्रातः काल पूरा तालाब केवल पानी से भर गया था। यदि जगह मतदाता जानकर, समझकर, विवेक का प्रयोग करके मतदान नहीं करेंगे तो वह एक प्रकार से उसे व्यक्ति या दल को जीतने में मदद करेंगे जिसे वह पसंद नहीं करते हैं। मतदान करते समय यह अवश्य ध्यान रखें कि पहले जिनके पक्ष में मतदान किया था क्या वे उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं? क्या उनके द्वारा किए गए वादे पूरे किए गए चाहे वे रोजगार के हों, सुरक्षा के हों, व्यवसाय में सरकारी दखल को कम करने के हों अथवा अन्य किसी प्रकार के हों। इस कसौटी पर कस कर यदि वे अपने उम्मीदवार का चयन करेंगे तो वह अपने वोट का सही उपयोग कर पाएंगे।

कई बार लोगों को यह कहते हुए भी सुना जाता है कि सारे उम्मीदवार एक जैसे हैं अतः किसी को भी वोट देने से कोई फायदा नहीं है और वह 'नोटा' का बटन दबा के आते हैं। नोटा या NOTA का अर्थ है None Of The Above। यह सोच भी सही नहीं है क्योंकि नोटा का बटन दबाना एक प्रकार से व्यर्थ है। अब तक कानून में इस प्रकार का प्रावधान नहीं है कि यदि 'नोटा' को सर्वाधिक मत मिले तो उस क्षेत्र में नए उम्मीदवारों के बीच के लिए पुनः मतदान होगा।

मतदाताओं को इस ओर भी सचेत रहना है कि उनके मत का अंकन अवश्य हो जाए। इस बारे में निर्वाचन आयोग द्वारा कई बार जानकारी उपलब्ध कराया गई, किंतु मेरा यह अनुभव है कि कई मतदाता समुचित जानकारी के अभाव में यह सुनिश्चित नहीं कर पाते हैं कि ई वोटिंग पत्र में अपना मत रिकार्ड हुआ है या नहीं? ऐसी स्थिति में कोई पीठासीन या मतदान अधिकारी किसी मतदान एजेंट के दबाव में या उसकी मिलीभगत से किसी और उम्मीदवार के पक्ष में मत अंकन कर सकता है। प्रत्येक मतदाता को ध्यान रखना चाहिए कि वह जब मतदान कक्ष में पहुंच जाता है एवं अपना बटन दबाला है उसके पूर्व वोटिंग मशीन को सक्रिय करने का बटन पीठासीन अधिकारी के पास होता है। जब मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार के समक्ष बटन दबा दे, तो उसके बाद एक 'बीप' को आवाज सुनाई देती है, जो इस बात का संकेत है कि उसके द्वारा दिया गया मत रिकार्ड हो गया है। प्रत्येक मतदाता को यह देखना चाहिए कि वह मशीन के सक्रिय होने के बाद ही बटन दबाये। और यह सुनिश्चित करे कि मत के अंकन करने के बाद बीप को आवाज सुनाई दे।

जब से 'विफियेड' (Voter Verified Paper Audit Trail) की प्रक्रिया लागू की गई है, मतदाता जिस उम्मीदवार के पक्ष में मत देगा उससे संबंधित चुनाव चिन्ह पची पर अंकित होकर के नीचे डिब्बे में गिराएंगे। गिरने से पहले वीवीपीएटी मशीन के अंदर के बल्ब के प्रकाश में 7 सेकंड तक मतदाता उसको देख सकता है। इसका उद्देश्य यह है कि वह यह सुनिश्चित कर सके कि जिस उम्मीदवार के पक्ष में उसने मतदान किया है उसी को पची उसमें छपी है अथवा नहीं। किसी प्रकार का अनार होने पर वह मतदान अधिकारी को अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है। पाठकों के लिए जानना रुचिकर होगा कि मतगणना यूनिट वी पी टैट मशीन से जुड़ी होती है। आपने ballot यूनिट पर किसी भी बटन को दबाया हो, जब तक वही अंकन वी पी टैट मशीन के माध्यम से नहीं दिखाई देगा, तब तक रिकार्ड सही नहीं होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस उम्मीदवार को मतदान मत देना चाहे, उसी के पक्ष में मत का अंकन हो और जिसके पक्ष में अंकन हो वहीं रिकार्ड में जाए और जो रिकार्ड में जाए उसी की गिनती हो। यदि वह प्रक्रिया पूरी तरह शत प्रतिशत सही नहीं होगी तो ई वोटिंग पत्र में शंकाएं व्यक्त की जाती रहेंगी जैसी की जाती रही है।

कई सामाजिक संगठनों द्वारा इस बात को मांग लंबे समय से की जाती रही है कि चुनाव कागज के मत पत्रों के माध्यम से ही करना उचित है क्योंकि इससे मतदाता को विश्वास अधिक होता है। इस संबंध में कई याचिकाएं भी माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर की गईं हैं किंतु अब तक इस बारे में कोई निर्णय अंतिम रूप से नहीं हो पाया है। अतः वर्तमान लोकसभा चुनाव में तो यही संभावना है कि ईवीएम का ही प्रयोग होगा और वी पी टैट मशीन लगाई जाएगी। यह संभव है उच्चतम न्यायालय, शत शत प्रतिशत वीवीपीएटी पत्रियों की गिनती करके उसका मितान मशीन में अंकित परिणाम से करने का आदेश दे। यदि ऐसा हुआ तो फिर लगभग वही स्थिति होगी जिस प्रकार की मत पत्रों के माध्यम से चुनाव करने पर होती थी। ऐसा वर्तमान में इसलिए नहीं किया जाता है कि ऐसा करने पर परिणाम में समय लगेगा और परिणाम एक या दो दिनों बाद में आएगा। मतदाता का विश्वास बनाए रखने के लिए इस प्रकार का विचार कोई बहुत बड़ा बात नहीं है, क्योंकि चुनाव वैसे ही लगभग डेढ़ महीने तक चलेगा। इस कारण एक-दो दिन का विरल महत्वहीन है। यह उल्लेखनीय है कि कई विकसित देशों में जहां ई वोटिंग का प्रयोग प्रारंभ हुआ था वहां पुनः मत पत्रों के आधार पर चुनाव होने लगा है। क्योंकि मशीन के साथ छेड़छाड़ की संभावना तकनीकी विकास के कारण पहले से कहीं अधिक हो गई है।

उपरोक्त सारी बातें तो न्यायालय के देखने की हैं। जहां तक मतदाता का प्रश्न है, उसे तो केवल एक काम करना है कि मतदान के दिन उसे अपने केंद्र पर जाकर अपने पसंद के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान अवश्य करना है। लोकतंत्र के मूल में निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव हैं, और उसमें सबसे बड़ी भूमिका मतदाताओं की है। इस आलेख के माध्यम से जयपुर के सभी मतदाताओं से आग्रह है कि वे 19 अप्रैल को अपने संबंधित मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी दबाव एवं प्रलोभन के करें। ऐसा करते समय ऊपर जाति, धर्म, समुदाय से ऊपर उठकर सोचना है और यह देखना है कि सबसे सशक्त रूप से एवं निष्पक्ष रूप से उनके हितों का संरक्षण कौन सा उम्मीदवार कर पाएगा? आपके निर्णय से यह तय होगा कि आगामी पांच वर्ष तक आपको किस प्रकार का शासन मिलेगा एवं आपका प्रतिनिधि किस प्रकार का होगा? इस समय की उदासीनता या निष्क्रियता का दुष्परिणाम आपको 5 वर्ष तक झेलना पड़ेगा। आशा है अपने आलस्य का परिचय करते हुए एवं कुछ अस्वीकार्य उदाते हुए भी सभी मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग अवश्य करेंगे। जो पाठक इसे पढ़ रहे हैं, उनसे आग्रह है कि वे अपने संपर्क में आने वाले सभी मतदाताओं को मतदान हेतु आग्रह करें क्योंकि, यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है।

भारत के मतदाताओं ने पूर्व में कई बार अपने निर्णय से अपनी बुद्धिमत्ता, विवेक और परिपक्वता का परिचय दिया है। आशा है इस बार भी अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। अपेक्षा यही है कि आगामी चरण में होने वाले चुनाव में राजस्थान और भारत के सभी मतदाता उसमें भाग लेंगे। इसी आशा और विश्वास के साथ, शुभकामनाएं।

-अतिथि सम्पादक,

राजेन्द्र भागवत

(पूर्व आई.एस. अधिकारी)



अविनाश जोशी

भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली मुख्य रूप से एक आपदा है क्योंकि चिकित्सा संस्थानों के द्वारा प्राप्त कम धन के कारण इनकी स्थिति खराब है। वास्तव में, नए औद्योगिक देशों में और यहाँ तक कि ब्रिक्स देशों में भी, स्वास्थ्य देखभाल पर भारत का प्रति व्यक्ति खर्च बहुत ही निराशाजनक है। भारत में वार्षिक प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य सेवा पर खर्च करीब 75 डॉलर है जबकि चीन की प्रति व्यक्ति वार्षिक 420 डॉलर तथा दक्षिण अफ्रीका की 570 डॉलर, रूस की 949 डॉलर और ब्राजील की 947 डॉलर है तथा ब्रिटेन में प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य खर्च 4003 अमेरिकी डॉलर है, जापान में 4150 डॉलर तथा अमेरिका में 9451 डॉलर है। यदि यह आँकड़े देश की स्वास्थ्य सेवा की निराशा और दुःखी स्थिति को प्रकट करने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो आइये देशों में कि सरकार इनसे निपटने के लिए क्या करती है।

ऐसी संभावना है कि भारत में सार्वजनिक चिकित्सा केंद्रों पर उपचार करने वाले एक मरीज को जितना खर्च करना पड़ता है उससे 800 गुना अधिक निजी अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों में खर्च करना पड़ता है। इसके बावजूद, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोग निजी

चिकित्सकों और चिकित्सा सेवाओं को ज्यादा पसंद करते हैं। निजी चिकित्सा केंद्र अपनी व्यय का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अपने सेवाओं पर ही लगा देते हैं, जबकि सरकार ने लगभग अपने स्वास्थ्य देखभाल और सेवाओं के खर्च को स्थिर कर रखा है। एक राष्ट्र के रूप में, हम सामाजिक सुरक्षा और राज्य द्वारा प्रायोजित चिकित्सा सहायता से बहुत दूर हैं, लेकिन बढ़ते शुल्कों के कारण अधिकांश भारतीय गणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से काफी दूर हैं।

अगस्त 2017 में, नीति आयोग ने टियर और टियर शहरों में चिकित्सा सुविधाओं और अस्पतालों का निजीकरण करने का निर्णय लिया था। यह निर्णय अस्पतालों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत कवर नहीं किए गए उपचारों के लिए रोगियों से इसकी वसूली करने का अनुमति देता। 2013-14 के अनुसार, सरकारी अस्पतालों पर लगभग 8,193 करोड़ रुपये के खर्च के साथ-साथ निजी अस्पतालों पर लगभग 64,628 करोड़ रुपये कुल खर्च का अनुमान लगाया गया था। इसकी वजह से आम आदमी अधिक पीड़ित है। हृदय, कैंसर, फेफड़े के रोगों और जीवन शैली से संबंधित बीमारियों से, मध्यम और निम्न आयु वर्ग के लोगों के लिए उपचार और दवा लेना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

यह सही समय है कि भारत सरकार चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल के खर्चों पर अपना ध्यान दें। अमेरिका में देश के लोगों की राहत के लिए ओबामा केयर की शुरुआत ने अमेरिका के लोगों के लिए बहुत आराम प्रदान किया था। यहाँ तक कि ट्रम्प प्रशासन ओबामा केयर को निरस्त करने के लिए तैयार

है, लेकिन देश के लोग नए प्रस्तावित नियमों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। भारत को भी ऐसे ही कुछ गंभीर स्वास्थ्य देखभाल प्रावधानों की आवश्यकता है, जो भारत के लोगों को अनुचित चिकित्सा तथा इसके खर्चों से राहत दे सके। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में इलाज में कितना अंतर होता है, इसका अंदाजा इस खबर को पढ़कर बखूबी लगाया जा सकता है। यदि जयपुर के किसी व्यक्ति को अचानक से मेडिकल इमरजेंसी पड़ जाए तो उसके सामने क्या विकल्प हैं। पहला अपने बाल का कोई निजी अस्पताल यदि मरीज को वहाँ से रेफर करना है तो उसके सामने सिर्फ दो रास्ते हैं। पहला एस एम एस तो दूसरा प्राइवेट अस्पताल। एस एम एस में भीड़ इतनी ज्यादा है कि परिजन सोच में पड़ जाते हैं कि वहाँ पर इलाज मिलेगा कि नहीं। आवाजें हैं वे प्राइवेट अस्पताल का रास्ता चुनते हैं। वहाँ इलाज मिलता है और उसकी पूरी कीमत भी चुकानी होती है। कई बार यह खर्च मरीज की हैसियत से ज्यादा और इतना मनमाना होता है कि विवाद भी होते हैं। प्रशासन या सरकार के पास ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिससे मममजी के रेट पर लगाम कसी जा सके। इसका फायदा प्राइवेट अस्पताल उठा रहे हैं। हाल ही में आई नेशनल सैफ्ट सर्वे की रिपोर्ट भी बताती है कि सरकारी अस्पतालों के मुकाबले प्राइवेट अस्पताल औसतन चार गुना ज्यादा खर्च पर इलाज देते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक रेट आउट आफ कंट्रोल होने के दो प्रमुख कारण हैं। पहला सरकारी अस्पतालों की संख्या का कम होना। जो हैं, वे पहले से बोझ से दबे हैं। दूसरा कैंसर व कार्डियोवस्क्यूलर बीमारियों का इलाज

सिर्फ मेडिकल कालेज व टर्यरी केयर सेंटर में उपलब्ध है। यदि सरकार चाहे तो ऐसे इलाज सिल्विल अस्पतालों में भी शुरू हो सकते हैं। यदि किसी को कार्डियल की इमरजेंसी हो तो पीजीआई में भर्ती कराने में ही पसीने छूट जाते हैं, जबकि प्राइवेट में आते ही तुरंत इलाज शुरू हो जाता है। दूसरा कारण प्राइवेट हास्पिटलों पर कोई रूल रेगुलेशन का न होना। सरकार या प्रशासन के पास ऐसा कोई नियम नहीं है, जिससे वे प्राइवेट हास्पिटल्स के रेट को कंट्रोल कर पाएँ। दो साल पहले सुप्रीमकोर्ट के आदेश पर कैंसर की दवाओं के रेट 60 प्रतिशत कम किए गए थे। यदि ऐसा हो सकता है तो प्राइवेट हास्पिटल्स के रेट पर कंट्रोल क्यों नहीं किया जा सकता। इलाज का खर्च काफी महंगा है। चाहे सरकारी हो या प्राइवेट। सवाल यह है कि लोग प्राइवेट हास्पिटल में क्यों जा रहे हैं, क्योंकि सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं नहीं हैं। केंद्र व राज्य सरकारों हेल्थ पर अपनी कुल जीडीपी का मात्र 1.2 प्रतिशत रुपये खर्च करते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि गर्वनमेंट हेल्थ की क्या स्थिति है।

देश के 75 प्रतिशत मरीज प्राइवेट हास्पिटल पर निर्भर हैं। चंडीगढ़ के प्राइवेट हास्पिटल को प्रशासन की ओर से कोई भी मदद नहीं मिलती है। उपकरण से लेकर स्टाफ का खर्च खूद हास्पिटल को उठाना पड़ता है। सरकार को चाहिए कि वे अपने सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाएँ। यदि सुविधाएं होंगी तो मरीज क्यों प्राइवेट में आएगा। हमारे शहर में सरकारी अस्पताल बहुत बढ़िया हैं। यदि इन अस्पतालों को सुधार लिया जाए तो मरीज प्राइवेट क्यों जाएं। प्राइवेट हास्पिटलों पर लगाम कसने के लिए

कलीनिकल इन्टेन्सिविटी एक्ट को लागू करना होगा।

बीमारी का निदान तो एक ही है, जो कोई डॉक्टर थोड़ा या ज्यादा लालची है तो टेस्ट लिखेगा, अपनी पसंद की लैब बताएगा और कमीशन खायेगा। फिर रिपोर्ट्स देकर, अपनी पसंद की दवाइयाँ देकर, एक-दो दवाइयाँ ज्यादा लिख देगा, ताकत की दवा के नाम पर। पसंद की दवाइयाँ उसे गिफ्ट देती है। वरना डॉक्टर जब पेशेंट को देखता है तो अनुभव से बीमारी का अंदाजा तो हो ही जाता है, काफ़ी दवा लिखकर इलाज कर सकता है। बाकी आख़िर समझ लें। प्राइवेट अस्पताल के खर्चें निकाल कर प्रॉफिट में लाने के हथकंडे तो अपनी ही होंगे। सेवाभाव आजकल देखने को नहीं मिलता है।

भारत, 132 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ विश्व के सबसे बड़े देश चीन को पछाड़ने की तैयारी में है। हमारी आबादी हमारी सबसे बड़ी ताकत और हमारी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। अगर आप इस कथन से स्पष्ट नहीं हैं, तो इस पर विचार करें। भारत की आधी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम है और लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र की आबादी का है। अगले 3 वर्षों में 2020 तक, भारतीय लोगों की औसत उम्र 29 साल होगी, जबकि एक चीनी की औसत आयु 37 साल तथा जापानी लोगों की औसत आयु लगभग 48 वर्ष होगी। युवा भारत उद्योग और अर्थव्यवस्था के लिए तो अच्छा है, लेकिन भारत में मध्यम आयु वर्ग के लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बड़ी समस्या बने हुए हैं।

-अविनाश जोशी,

स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

कांग्रेस और आर.एल.पी. के 100 कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा

बिदियाद माली सैनी समाज के 50 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ी

बिदियाद, (नीस)। भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने परबतसर क्षेत्र के ग्राम बिदियाद में जनसंपर्क किया। इस दौरान राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के छोटर बड़ाडा के साथ करीब पचास कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा को समर्थन देकर भाजपा का दामन थाम लिया। वहाँ इस दौरान माली समाज के करीब पचास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा का दामन थाम लिया।

इसके बाद मिर्धा ग्रामीण क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि देश लातौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और देश का हर वर्ग प्रधानमंत्री के साथ जुटा हुआ है, इसलिए परबतसर की जनता भी इस बार मोदी जी के सपने

■ भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने परबतसर के बिदियाद में जनसंपर्क किया

को साकार करने के लिए अपना योगदान देगी और मोदी सरकार 400 पर की सरकार बनेगी।

इस मौके पर पूर्व विधायक परबतसर राकेश मेघवाल, पूर्व विधायक मानसिंह किनस्रिया, पूर्व विधायक विजयलाल मिर्धा, नगर पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश सेन, पूर्व सहसचिव गुर्जरनेता जयराम गुर्जर, भाजपा मरहिला प्रकाश के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनिता रांडे, जिला



भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने परबतसर क्षेत्र के ग्राम बिदियाद में जनसभायें की और समर्थन मांगा।

उपाध्यक्ष राजश्री खण्डेलवाल, रामकरण किरडोलिया, परिवा

एसोसिएशन अध्यक्ष भागुराम आंबला, परबतसर विधानसभा संयोजक

मूलचंद चित्ताई, पूर्व सरपंच मोहनराम मुंदलिया आदि उपस्थित थे।

शेखावाटी को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलेगा : घनश्याम तिवाड़ी

■ शुंशुनू, (निस्स)। चुनावी मौसम में यमुना नहर का पानी शेखावाटी का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। सोमवार को इस मुद्दे पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने शुंशुनू में प्रेसवार्ता की। इस मौके पर घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि वे जब पहली बार राज्यसभा में गए तो उन्होंने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सहयोगी रूप में भार यमुना के पानी का प्रश्न उठाया, जिसके बाद ना केवल केंद्रीय जल शक्ति मंत्री जगेंद्र सिंह ने अधिकारियों की बैठक बुलाई, बल्कि राजस्थान में भाजपा की सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से चार

■ राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने शुंशुनू में प्रेसवार्ता की

पाइप लाइनों के जरिए पानी लाने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार केंद्र, हरियाणा और राजस्थान अब शेखावाटी की प्यास बुझाएगी। इस बार शेखावाटी का वोट, पानी के लिए होगा। क्योंकि यदि भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे तो वह इस योजना को मूर्त रूप देने में सहयोगी साबित होंगे। यदि दूसरे लोग पहुँच गए तो वो सो जाएँ, बात नहीं करेंगे, सवाल नहीं करेंगे। जिससे योजना

प्रभावित होगी। तिवाड़ी ने कहा कि हालांकि भाजपा संकल्प ले चुकी है कि यमुना का पानी शेखावाटी में हर हाल में लाया जाएगा। क्योंकि मोदी तो मुमकिन है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग डीपीआर और एमओयू को लेकर अफवाहें फैला रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि शेखावाटी को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलेगा। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी समेत अन्य मौजूद थे। उन्होंने कहा कि 1917 क्यूसेक पानी यमुना से और 1500 क्यूसेक पानी कुंभाराम से मिलेगा, यदि 4000 क्यूसेक पानी शेखावाटी को मिल जाता है तो सिंचाई और पीने के लिए पानी की कोई कमी नहीं रहेगी।

डमी परीक्षार्थी को बैठाने वाला मूल अभ्यर्थी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की सुरसागर पुलिस ने इस साल जनवरी में आयोजित डीईएल-ईडी परीक्षा में पकड़े गए डमी परीक्षार्थी के बाद अब मूल अभ्यर्थी को गिरफ्तार कर लिया है। मूल अभ्यर्थी ने अपनी परिचय को परीक्षा में फोटो में कांट-छांट कर बिठाया था। जिस पर परीक्षा अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

■ इस साल जनवरी में आयोजित हुई थी डीईएल-ईडी परीक्षा

थानाधिकारी मांगीलाल विश्रॉई ने बताया कि इस साल जनवरी में डीईएल-ईडी की भर्ती परीक्षा का आयोजन कालीबेरी सुरसागर में हुआ था। जिसका एक सेंटर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आया था। जहाँ परीक्षा भवन में एक फ जी परीक्षार्थी फलोदी सांवरीज के सुभाष गोदार को पकड़ा गया था। वह मूल अभ्यर्थी विकास विश्रॉई के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया था। फोटो मिलान में वह डमी परीक्षार्थी पाया गया था। जिस पर प्रधानाचार्य गावत्री बोहरा की तरफ से राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस दर्ज कराया गया था। थानाधिकारी मांगीलाल विश्रॉई ने बताया कि अब मूल अभ्यर्थी आरटीओविद्यांगर भद्रवासिया निवासी विकास पुत्र निंबाराम विश्रॉई को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

राशिफल मंगलवार 16 अप्रैल, 2024



पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत् 2081, पुष्य नक्षत्र बुधवार प्रातः 5:16 तक, धृति योग रात्रि 11:16 तक, बव करण दिन 1:24 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरु-मेघ, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, अशोकाष्टमी, भौमाष्टमी और अन्नपूर्णा पूजा है। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:21 से 10:55 तक, लाभ-अमृत 10:55 से 2:02 तक, शुभ 3:36 से 5:10 तक। राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:48

मेघ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मार्गलिक कार्य सम्यन् हो सकेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लेंगी।

धनु
चन्द्रमा अशुभ भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुभव प्राप्त होंगे।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्यन् हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक कार्यों से अटकें हुए कार्य बने लेंगे। संचालित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बने लेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में शुभ-मार्गलिक कार्य सम्यन् हो सकते हैं। नौकरपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रमुख बढ़ेगा।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मार्गलिक कार्य सम्यन् हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लेंगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

मीन
परिवार में शुभ-मार्गलिक कार्य सम्यन् हो सकते हैं। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

हाई-स्कोरिंग मुकाबले में हैदराबाद ने बेंगलुरु को 25 रन से हराया

हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया



बेंगलुरु, 15 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे हाई स्कोरिंग मुकाबले को हैदराबाद ने 25 रन से जीत लिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। ने 20 ओवर में 3 विकेट गंवाकर 287 रन बनाए। ने भी दूसरी पारी में 7 विकेट गंवाकर 262

रन बनाए लेकिन मैच गंवा दिया। विराट कोहली की आरसीबी टीम के लिए दिनेश कार्तिक ने 35 गेंदों पर 83 रनों की पारी खेली। जबकि कप्तान डु प्लेसिस ने 28 गेंदों पर 62 रन और विराट कोहली ने 20 गेंदों पर 42 रन बनाए। मगर कोई भी टीम को जीत नहीं दिला सका। हैदराबाद के लिए पेट कर्मिस ने

3 विकेट लिए। जबकि मयंक मार्कंडेय ने 2 और टी नटराजन ने 1 विकेट लिया। आज यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की ट्रैविंस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 108 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में रीस टॉप्ली ने अभिषेक शर्मा 34 रन को लॉकी फर्ग्युसन के हाथों कैच कराकर हैदराबाद को पहला झटका दिया। ट्रैविंस हेड ने 41 गेंदों में नौ चौके और आठ छक्कों की मदद से 102 रन ठोकें।

वहीं हाइनरिक क्लासन ने भी ताबड़तोड़ अंदाज में 31 गेंदों में दो चौकों और सात छक्के लगाते हुए 67 रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों को लॉकी फर्ग्युसन ने आउट किया। एडन मार्क्रम 32 और अदुल समद 37 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 287 रनों का स्कोर खड़ा किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट लिये। रीस टॉप्ली ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

हरियाणा की पलक ने शूटिंग में हासिल किया 20वां ओलंपिक कोटा, त्वालीफाइंग इवेंट में जीता कांस्य

ब्राजील, 15 अप्रैल। हरियाणा की पलक ने शूटिंग में देश को 20वां ओलंपिक कोटा दिलाया है। पलक ने रियो डि जेनेरियो (ब्राजील) में खेले जा रही अंतिम ओलंपिक क्वालिफाइंग इवेंट में 10 मीटर एयर पिस्ट का ब्रान्ज मेडल जीता। इसके साथ ही संयम पांचवें नंबर पर रही।

आर्मेनिया की एल्मीरा कारापेत्यान ने गोल्ड और थाईलैंड की कमोनलाक साएंका ने रजत और ओलंपिक कोटा जीता। पलक और संय ने शनिवार को 578 का समान स्कोर कर इस इवेंट के फाइनल में प्रवेश किया था। हालांकि, फाइनल में पलक और



संयम दोनों पिछड़ी हुईं चाल रही थीं, लेकिन दोनों ने बाद में वापसी की। वहीं हंगरी की बेरोनिका मेजर एक समय में आगे चल रही थीं। लेकिन बाद में वह पिछड़ गईं, जिसका फायदा पलक को मिला। 19वें शॉट में पलक के 6 अंक की मेजर पर बढ़त बना ली और वह तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि संयम को पांचवें स्थान पर बाहर होना पड़ा। तीसरे और चौथे स्थान के मुकाबले में मेजर 10 का निशाना लगाने से चूक गईं, जिससे पलक कांस्य जीतने में सफल रही।

धर्मशाला में बनी देश की पहली 'हाइब्रिड पिच' खेले जायेंगे आईपीएल के दो मैच

धर्मशाला, 15 अप्रैल। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ का खूबसूरत स्टेडियम बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम होगा जिसमें अत्याधुनिक 'हाइब्रिड पिच' बिछाई गई है जहां इस सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग के दो मैच होंगे। एचपीसीए के एक अधिकारी ने कहा, "हाइब्रिड पिच बिछा दी गई है और आईपीएल के दो मैच इसी पर खेले जायेंगे।" नीडरलैंड की 'एम्आईएस ग्रास' कंपनी को इसका जिम्मा दिया गया है। यहां जारी विज्ञापन के अनुसार यह पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर और हाई परफॉर्मिंग होगी। एचपीसीए अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा, "भारत में हाइब्रिड पिच तकनीक का आगमन क्रिकेट के लिये बहुत महत्वपूर्ण पल है।"

टी-20 विश्वकप के बाद मेजर लीग में खेलेंगे ट्रैविंस हेड

मुम्बई, 15 अप्रैल। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रैविंस हेड टी-20 विश्व कप के बाद आराम करने की बजाय मेजर लीग क्रिकेट के दूसरे सत्र में खेलने के लिए स्ट्रीटवॉलर के जुड़ेंगे। हेड इस समय सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में खेल रहे हैं। अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 विश्व कप 29 जून को समाप्त होगा।

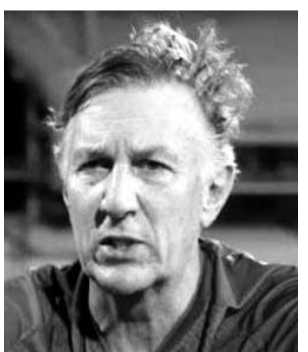
उन्होंने टी-20 विश्वकप के बाद ऑस्ट्रेलिया में आराम करने की बजाय वाशिंगटन फ्रीडम के साथ अनुबंध करके मेजर लीग में खेलने का विकल्प चुना है। टी-20 विश्वकप के बाद सितंबर में इंग्लैंड के सफेद गेंद दौर तक ऑस्ट्रेलिया का कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं है। हेड और स्मिथ फ्रीडम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉटिंग के तहत खेलेंगे, जिन्होंने हाल ही में ग्रेग शिपर्ट की जगह ली थी।

फ्रीडम में हाल ही में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन खवींद्र के साथ अनुबंध की घोषणा की। उन्होंने 2023 सत्र के लिए मार्क जेन्सन और अकील होसन में दो विदेशी खिलाड़ियों को बरकरार रखा। हेड के साथ स्मिथ, एडम जम्पा (लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स), स्पेंसर जॉनसन (नाइट राइडर्स) और टिम डेविड (एम्आई न्यूयॉर्क) शामिल हो गए हैं। उन्होंने एमएलसी के दूसरे सत्र के लिए अनुबंध की पुष्टि की है।

शिवम दुबे मैच को नियंत्रित कर सकता है, टीमों उसके खिलाफ स्पिनरों को उतारने से डरती है : एरिक सिमंस

मुंबई, 15 अप्रैल। चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा है कि ऑलराउंडर शिवम दुबे में मैचों को नियंत्रित करने की क्षमता है और टीमों उनके खिलाफ स्पिन गेंदबाजों का इस्तेमाल करने से 'डरती' है।

बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे ने रविवार को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ 38 गेंदों में नाबाद 66 रन बनाए और अपनी टीम को 20 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। मुंबई ने सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया लेकिन आठवें ओवर के बाद अपने स्पिनरों को गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। दुबे ने स्पिनर की सिर्फ एक गेंद का सामना



किया और वह गेंद ग्रेडस गोपाल की थी। सिमंस ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, "जब वह (दुबे) आता है तो वे

(विरोध टीमों) स्पिनरों को हटा देते हैं (और) वे तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी कराते हैं। वह इसमें और अधिक प्रभावी हो गया है। लेकिन उन्होंने बाकी मैच में दोबारा स्पिन गेंदबाजी नहीं की क्योंकि वह विकेट पर था।"

उन्होंने कहा, "यह इस बारे में है कि आप मैच को कैसे नियंत्रित करते हैं और उसके जैसा कोई व्यक्ति इसे नियंत्रित कर सकता है क्योंकि वे अब स्पिन गेंदबाजी नहीं कर सकते। वे ऐसा नहीं करना चाहते। वे डर रहे हैं। तेज गेंदबाजी के खिलाफ प्रभावी होने की उसकी क्षमता उसके लिए बहुत फायदेमंद स्थिति बन गई है।

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिये भारतीय महिला टीम का हुआ ऐलान

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल। स्पिनर आशा शोभना और बल्लेबाज साजना सजीवन को बांग्लादेश के खिलाफ 28 अप्रैल से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। लीग स्पिनर शोभना ने महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाते हुए दस मैचों में 12 विकेट लिये थे। सजीवन ने मुंबई इंडियंस के लिये सेमीफाइनल में 74 रन बनाये थे। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। यह श्रृंखला इसलिये भी अहम है क्योंकि इस साल के आखिर में टी20 विश्व कप भी बांग्लादेश में होना है। सभी पांच मैच सिलहट में खेले जायेंगे। आरसीबी की श्रेयंका पाटिल भी टीम में है जबकि डी हेमलता ने अक्टूबर 2022 के बाद वापसी की है। मैच 28, 30 अप्रैल, दो मई, छह मई और नौ मई को खेले जायेंगे।

ब्रायन लारा की हार्दिक पांड्या की टीम को सलाह, कहा- गेंदबाजी में करना होगा सुधार

मुंबई, 15 अप्रैल। वेस्टइंडीज के पूर्व महान खिलाड़ी ब्रायन लारा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस की 20 रन की हार के बाद कहा कि मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह के अलावा अधिक दम नहीं है और उन्हें खेल के इस विभाग में सुधार करने की जरूरत है।

बुमराह (चार ओवर में 27 रन देकर कोई विकेट नहीं) को सुपरकिंग्स के खिलाफ कोई सफलता नहीं मिली जो उनके द्वारा स्थापित शीर्ष मानकों को देखते हुए बेहद सामान्य प्रदर्शन है। मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या के पारी के अंतिम ओवर में महेंद्र सिंह

धोनी ने भी लगातार तीन छक्के मारे और रविवार रात अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

लारा ने 'स्टर स्पॉट्स' क्रिकेट लाइव शो' पर कहा, "मुझे लगता है कि जब हम मुंबई इंडियंस को देखते हैं तो बहुत से लोग उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में देखते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य हासिल किया, इसे बहुत आसान बना दिया, 15 ओवर में, इसलिए इस तथ्य के कारण मुझे लगता है कि हम उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में चुनते हैं।" उन्होंने कहा, "लेकिन उनकी गेंदबाजी खराब है। जसप्रीत

बुमराह के अलावा, उस गेंदबाजी आक्रमण में उनका समर्थन करने वाला कोई नहीं है और सुपरकिंग्स के बल्लेबाजों ने उन्हें ध्वस्त कर दिया।" आठवें ओवर के बाद मुंबई इंडियंस ने अपने स्पिनरों का उपयोग नहीं किया क्योंकि धीमे गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे क्रोज पर थे। लारा ने कहा, "स्पिनरों ने लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन देने के बाद केवल चार ओवर फेंके क्योंकि शिवम दुबे को मौजूदगी में उन्हें उन पर धरोसा नहीं था। इसलिए मुंबई इंडियंस को उस क्षेत्र में सुधार करना होगा, उन्हें कुछ गेंदबाज ढूँढने होंगे, मैच जिताने वाले गेंदबाज।

राजधानी

पुलिस उप निरीक्षक पेपर लीक प्रकरण के 12 आरोपियों की रिहाई पर रोक

राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 1 मई को तय करते हुए संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी किए

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती-2021 पेपर लीक से जुड़े मामले में 12 आरोपियों की रिहाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 1 मई को तय करते हुए संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी किए हैं। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट महानगर द्वितीय ने आरोपी 11 ट्रेनी एसआई और एक कॉन्स्टेबल की अवैध हिरासत मानते हुए उन्हें सशर्त जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे। राज्य सरकार की ओर से याचिका में अधिवक्ता अनुराग शर्मा ने अदालत को बताया कि एसओजी ने आरोपियों को 3 अप्रैल को गिरफ्तार कर 4 अप्रैल को अदालत में पेश किया था। ऐसे में नियमानुसार आरोपियों को गिरफ्तारी

- ज्ञात रहे कि मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट महानगर द्वितीय ने आरोपी 11 ट्रेनी एस.आई. और एक कॉन्स्टेबल की अवैध हिरासत मानते हुए उन्हें सशर्त जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे
- राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता अनुराग शर्मा ने अदालत को बताया कि एस.ओ.जी. ने आरोपियों को 3 अप्रैल को गिरफ्तार कर 4 अप्रैल को अदालत में पेश किया था। ऐसे में नियमानुसार आरोपियों को गिरफ्तारी के 24 घंटे में ही पेश किया गया था।

के 24 घंटों में ही पेश किया गया था। वहीं निचली अदालत ने 12 अप्रैल को आरोपियों की अवैध हिरासत मानते हुए उन्हें रिहा करने की आदेश दिए हैं। जबकि पूर्व में 4 अप्रैल को उसी अदालत ने समान आरोपियों को पुलिस अधीनस्थों में भेज दिया था। ऐसे में यदि उनकी अवैध हिरासत अवैध भी थी तो संबंधित मजिस्ट्रेट को पूर्व की सुनवाई के समय ही आरोपियों को रिहा करना चाहिए था। एक बार मजिस्ट्रेट की ओर से पुलिस अधीनस्थों के आदेश देने के बाद वह अवैध हिरासत नहीं कहलाएंगे। इसलिए निचली अदालत के आदेश को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रमित पारीक ने कहा कि आरोपियों

के रिलीज ऑर्डर भी जारी हो चुके हैं और निचली अदालत का आदेश विधि सम्मत है। इसलिए राज्य सरकार की याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों की रिहाई पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट महानगर द्वितीय ने मामले में आरोपियों के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए माना था कि एसओजी ने आरोपियों को पकड़ने के बाद 24 घंटों के भीतर अदालत में पेश नहीं किया था। ऐसे में उनकी पुलिस अधीनस्थों की अवैध हिरासत थी। इसलिए उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। वहीं अदालत ने मामले के दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए गृह सचिव और डीजीपी को भी निर्देश दिए थे। इससे पूर्व सुनवाई को अदालत ने इन आरोपियों को पुलिस रिमांड पर एसओजी को सौंपा था।

डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले चारों ट्रेनी एस.आई. 5 दिन की रिमांड पर

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक व डमी कैंडिडेट बैठाने का मामला

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले गिरफ्तार चारों ट्रेनी एसआई को सोमवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया है। एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले चार ट्रेनी एसआई को रविवार देर शाम को राजस्थान पुलिस अकादमी से गिरफ्तार किया था। एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि

एसओजी की टीम ने आरोपी चार ट्रेनी एसआई को सोमवार को सेशन कोर्ट में पेश किया। एसओजी ने दस दिन का रिमांड मांगा था, लेकिन कोर्ट ने सभी को पांच दिन की रिमांड पर भेजा है। एसओजी को अब उनकी तलाश है जो इन चारों ट्रेनी की जगह परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बन बैठे थे। एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी की टीम ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले हरिओम पाटीदार निवासी गलियाकोट डूंगरपुर, विक्रम जीत बिश्नोई

निवासी बज्जू बीकानेर हाल पार्श्वनाथ सिटी जोधपुर, ब्रज कुमार गोदारा निवासी बज्जू बीकानेर और श्याम प्रताप सिंह निवासी जोधपुर को रविवार देर शाम को राजस्थान पुलिस अकादमी से एसओजी मुख्यालय लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में चारों ट्रेनी एसआई ने डमी कैंडिडेट परीक्षा में बैठाना स्वीकार कर लिया है। इनमें प्रत्येक ने परीक्षा में पास होने के लिए 15 से 20 लाख रुपए दिए थे। इसमें डमी कैंडिडेट बैठाना और पेपर को खरीदना दोनों काम शामिल थे।

गौरतलब है कि चारों ट्रेनी एसआई ने अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठा कर एसआई भर्ती परीक्षा-2021 को पास किया था। एसओजी ने जो कुछ दिनों पहले डमी परीक्षा ली थी, उसमें यह चारों फेल हो गए थे। इस पर एसओजी को उनकी योग्यता पर शक हुआ। जब इनके दस्तावेजों और सेंटर की जांच की गई तो पता चला कि इन चारों ने डमी कैंडिडेट बैठा कर परीक्षा पास की थी। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक और डमी अभ्यर्थी केस में अब तक 36 ट्रेनी एसआई और सात आरोपियों को गिरफ्तारी हो चुकी है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री को दैनन्दिनी भेंट

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को यहां राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र और ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को राजस्थान विधानसभा दैनन्दिनी 2024-25 भेंट की। विधानसभा के इतिहास में पहली बार दैनन्दिनी का प्रकाशन भारतीय वर्ष के अनुसार राजस्थान विधानसभा के इतिहास में पहली बार दैनन्दिनी का प्रकाशन भारतीय वर्ष के अनुसार किया गया है। देवनानी ने बताया कि नवसंवत्सर 2081 के माह चैत्र शुक्ल, प्रतिपदा से दैनन्दिनी को आरम्भ किया गया है। इस बार दैनन्दिनी अप्रैल, 2024 से आरम्भ की गई है। हिंदी तिथि के साथ-साथ वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी तिथियों का भी समावेश किया गया है।



स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर राजस्थान विधानसभा द्वारा नववर्ष की डायरी भेंट की।

राजस्थान विधानसभा कदाचित्त देश की ऐसी पहली विधानसभा बन गई है जहां भारतीय वर्ष के अनुसार दैनन्दिनी का प्रकाशन किया गया है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर विधान सभा के प्रकाशन दैनन्दिनी में नवाचार किये गये हैं। भारतीय वर्ष के अनुसार माह और तिथियों का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। देवनानी ने बताया कि भारत वीर-वीरगनाओं और महापुरुषों का देश है। यहां ऐसे-ऐसे महापुरुष हुए हैं, जो भारत में ही नहीं अपितु विश्व में अपनी आध्यात्मिकता और विद्वता की अमिट छाप छोड़ चुके हैं। कोई तलवार के धनी तो कोई कलम के धनी तो कोई वाणी के धनी महापुरुष हुए हैं। उनके चिंतन से समाज को नई दिशा मिली है। नई पीढ़ी को महापुरुषों को स्मरण में बनाये रखने के लिए विधान सभा की दैनन्दिनी में यह नया प्रयास किया है। इससे लोगों को उनके आदर्श जीवन से प्रेरणा मिल सकेगी।

- विधानसभा के इतिहास में पहली बार दैनन्दिनी का प्रकाशन भारतीय वर्ष के अनुसार, साथ ही प्रचलित अंग्रेजी तिथियों का भी समावेश
- स्पीकर वासुदेव देवनानी की पहल पर विधानसभा प्रकाशन में नवाचार हुआ

अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आदर्श होते हैं। अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इस बार डायरी को अधिक उपयोगी बनाया गया है। डायरी को उपयोगकर्ता आसानी से हाथ में ले जा सकता है। साथ ही एक दिवस के लिए एक पृष्ठ दिया गया है ताकि उपयोगकर्ता प्रतिदिन की अधिक विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, महावीर स्वामी की आजाद के चिन्तों का समावेश किया गया है। देवनानी ने बताया कि महापुरुष राष्ट्र के लिये प्रेरणा स्रोत होते हैं। समाज के लिये आ

'भगवान राम को सब नैतिकता के आधार पर पूजते हैं पर कुछ लोग सत्ता के लिए पूजते हैं'

प्रियंका गांधी ने दौसा में कांग्रेस प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा के न्याय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कहा

दौसा, 15 अप्रैल (निस)। जिले के बांदीकुई नगर में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने न्याय संकल्प रैली को संबोधित किया। दौसा से कांग्रेस प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा के समर्थन में आयोजित जनसभा में पूर्व डिप्टी

कि, पूरे देश में नेगेटिव माहौल बन चुका है और देश की जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा, भाजपा के नेता धर्म और मांस-मछली की बात करते हैं, विकास की बात नहीं करते। जनता को जागरूक



कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दौसा में कांग्रेस उम्मीदवार मुरारी लाल मीणा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस सभा में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट व पूर्व मंत्री ममता भूषेण सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद थे। सभा शुरू होने से पहले प्रियंका गांधी को पीली लुगड़ी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया गया।

■ प्रियंका गांधी ने भाषण की शुरुआत में सभी का राम-राम सा कहकर अभिवादन किया और मेहंदीपुर बालाजी का जयकारा भी लगाया। सभा में सचिन पायलट भी शामिल हुए और आमजन में उनके प्रति भारी उत्साह देखा गया।

■ मुरारी लाल मीणा व स्थानीय कार्यकर्ताओं ने प्रियंका गांधी को आभानेर की चांद बावड़ी की तस्वीर भेंट की और महिलाओं ने पीली लुगड़ी ओढ़ाकर स्वागत किया।

■ प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा नेता विकास की बात नहीं करते बस धर्म और मांस मछली की बात करते हैं।

सी.एम. सचिन पायलट, पूर्व मंत्री ममता भूषेण, कांग्रेस प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा सहित कांग्रेस के अनेक नेता मौजूद थे। सभा में प्रियंका गांधी को पीली लुगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया और आभानेर की चांद बावड़ी की तस्वीर भी भेंट की गई।

हुना होगा क्योंकि आने वाले चुनाव आगामी 5 साल का भविष्य तय करेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि, भगवान राम को सब नैतिकता के आधार पर पूजते हैं लेकिन कुछ लोग सत्ता के लिए पूजते हैं। उन्होंने कहा, भाजपा ने सरकारी को तोड़ने के लिए 100-100 करोड़ रुपए खर्च किए, ऐसे में उनकी नैतिकता कहाँ चली गई। वैक्सोन निर्माता

'500 साल बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुलाबी नगरी जयपुर के परकोटे में करीब एक घंटे रोड शो कर तीन विधानसभा सीटों पर असर डालने की कोशिश की। रोड शो में चारदीवारी की हवामहल, किशनपोल और आदर्श नगर सीटों को कवर किया गया। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा किशनपोल व आदर्श नगर सीट हार गई थी और हवामहल मामूली अंतर से जीती थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा इन क्षेत्रों से बहुत प्राप्त करना चाहती है। अमित शाह ने कहा कि राजस्थान के हम 25 की 25 सीटें जीतेगें। दो-तीन सीटों पर फाइट होने के बारे में शाह ने कहा कि हर बार ऐसा ही लगता है पर डब्बा खुलता है तो मोदी ही जीतता है।

अब सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जज रविवेंद्र सिंह राठौड़ ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। पूर्व जजों ने अपने पत्र में कहा कि, "इन समूहों द्वारा अपनायी गयी रणनीति बहुत चिंताजनक है, न्यायापालिका की सच्चाई को दगदार करने के लिए, ये लोग निराधार सिद्धांतों के प्रचार से लेकर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रयासों से न्यायिक निर्णयों को अपने पक्ष में करने का प्रयत्न कर रहे हैं।" पत्र में आगे था, "इस तरह के अधिग्रहण ने केवल न्यायापालिका की पवित्रता का अपमान करते हैं बल्कि जजों, जो कि कानून के संरक्षक हैं, के सच्चाई और निष्पक्षता के सिद्धांतों, जिसको निभाने की उन्होंने शपथ ली थी, को सीधी चुनौती प्रदान करते हैं। मार्च के महीनों में, 600 वकीलों ने, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा शामिल थे, ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को दिए गए एक औपचारिक संदेश में, "कुछ विशेष समूहों के न्यायापालिका पर लौटन लगाने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की थी।

राष्ट्रपति जो बाइडन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमले में इजरायल के किबुल और अंदरूनी बस्तियों में मारे गये इजरायलियों की कुल संख्या के हिस्सा से देखा जाए तो ईरान के हमले के पलटवार में होने वाला इजरायली हमला मध्य-पूर्व के देशों का पूरा संतुलन बिगाड़ सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल से अनुरोध किया है कि वह इस हमले का जवाब ना दे, लेकिन बाइडन के इस अनुरोध पर अमेरिका

■ इन अमेरिकी विशेषज्ञों के अनुसार, इजरायल को भारी जवाबी कार्यवाही करके, ईरान के "न्यूक्लियर हथियार विकसित" करने वाले "लैस" व अन्य सुविधाओं को ध्वस्त कर देना चाहिए।

■ ईरान के पड़ोसी देश की भी मूक सहमति है, इजरायली की ध्वंसात्मक जवाबी कार्यवाही के लिये, क्योंकि, अपने "न्यूक्लियर बम" के जोर पर, ईरान ने स्थानीय दादा का रोल अपना लिया था।

के राजनीति हलकों में उबाला आ गया है, खामसती पर रिपब्लिकनस में। यह मुद्दा राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में भी अपना असर दिखा सकता है।

अमेरिका के पूर्व रक्षा सचिव जॉन बोल्टन ने बाइडन की प्रतिक्रिया को देश के लिए शर्मिंदगी करार दिया है। बोल्टन ने कहा कि "इजरायल यदि पिछली बार मिसाइलों को ठीकने में भाग्यशाली रहा हो तो हो सकता है अगली बार ऐसा ना कर पाए। अगली बार उनमें परमाणु हथियार भी हो सकते हैं।"

अमेरिका के सुरक्षा विशेषज्ञ इजरायल से यह अनुरोध कर रहे हैं कि इजरायल को यह अवसर नहीं चूकना चाहिए और ईरान की सभी परमाणु हथियार फैसिलिटीज को ध्वस्त कर देना चाहिए। ईरान स्वयं को परमाणु हथियार सम्पन्न देश बनाने को लेकर

गंभीर रूप से काम करता रहा है।

इसमें बहुत कम संशय है कि इजरायल इस अवसर का लाभ उठाकर ईरान की अहम रक्षा हथियारों को नष्ट करेगा क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू की इन हमलों के प्रति कोई आक्रामक प्रतिक्रिया नहीं रही। कई क्षेत्रीय शक्तियों भी इस बार कम टकराव की पुर्जोर कोशिश कर रही हैं।

ईरान भी शांति की मुद्रा में प्रतीत होता है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि

जयपुर, 15 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के होटल क्लाक्स आमेर में एक प्रसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

भाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर

ने कहा है कि "अब जबकि ईरान प्रत्युत्तर दे चुका है तो इस मुद्दे को निस्तारित समझा जाना चाहिए।" हालांकि, ऐसा होने की उम्मीद बहुत कम है।

यह झड़प जिस दिशा में जा रही है, उसे लेकर मध्य-पूर्व की कुछ ताकतें बेहद चिंतित हैं और वे यह भी चाहेंगी कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटीज समाप्त हो जाए, क्योंकि वह एक क्षेत्रीय गुण्डा बनकर उभरा है। इसके साथ ही ये ताकतें फिलॉस्तीन के मुद्दे को लेकर दुविधा में भी हैं।

सिब्ल ...

गांधी की जब भी वो विदेश में होते हैं। इस पुस्तक का विमोचन पिछले सप्ताह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया था।

'लोकसभा चुनाव के लिए हमारे पास दस साल का रिपोर्ट कार्ड व दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने क्लाक्स आमेर होटल में प्रैस वार्ता में भाजपा के घोषणा पत्र को गारंटी पूरी होने की गारंटी भी बताया

जयपुर, 15 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के होटल क्लाक्स आमेर में एक प्रसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

भाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर

की जयंती पर विकास का संकल्प पत्र देश के सामने प्रस्तुत किया है। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ यह संकल्प पत्र गारंटी पूरी होने की गारंटी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हमारे पास 10 साल का रिपोर्ट कार्ड है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

इजराइल-इरान युद्ध का किसानों को नुकसान

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 अप्रैल। वैश्विक गैस बाजार की स्थिति बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगी कि अगले कुछ सप्ताहों और महीनों में ईरान-इजराइल के संकट की क्या परिस्थिति रहती है।

मध्य पूर्व में उत्पन्न संकट के चलते प्राकृतिक गैस की पूर्ति पर प्रश्न खड़ा हो गया है खासतौर से निकट भविष्य में यूरोप व एशिया की आपूर्ति पर।

■ सूत्रों का कहना है कि, इससे भारत को होने वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे खाद महंगी हो सकती है।

ईरान-इजराइल के संघर्ष से मध्य पूर्व में खतरा और गहरा गया है इसके चलते एल.एन.जी. की बाब-एल-मनदेब स्ट्रेट व स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली आपूर्ति के लिए खतरा और बढ़ गया है।

ईरान-इराक का संकट भारत के लिए भी मुश्किल स्थिति का रहेगा, इसकी वजह शहरी गैस व उद्योगों में उपयोग होने वाली गैस और खासतौर से राजनीतिक रूप से संवेदनशील उत्पाद जैसे फर्टिलाइजर में उपयोग होने वाला अमोनिया तेज गति से बढ़ रहा है।

'जब खुद की बारी आई तो कहानी ही बदल गई'

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गहरा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं, वही करते हैं। हमारी बातों में विरोधाभास कम है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन साफ तौर पर इशारा करते हुए कहा कि आजकल एक नेताजी के वीडियो घूम रहे हैं। उन्हें देखकर लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर कैसे हमें पागल बनाया गया। कुछ कहा गया और किया कुछ और गया। दरअसल अरविंद केजरीवाल के कई वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें से एक में तो वह कहते हैं कि यदि किसी नेता पर आरोप लगते हैं तो उसे पद से इस्तीफा दे देना चाहिए माना जा रहा है कि ऐसे ही वीडियो का जिक्र पीएम मोदी ने किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि एक नेताजी कहते हैं कि मैं एक झटके में गरीबी दूर कर दूंगा। यह कैसी बात है। दशकों तक वे सत्ता में रहे हैं और आखिर तब क्या कर रहे थे। इस दौरान क्यों नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण को राजनीति से जोड़ने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के दलों के लिए राजनीतिक मुद्दा था। अब मंदिर बन गया है तो उनके लिए मुद्दा भी खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि जब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी तो मेरे लिए यह कोई इवेंट नहीं बल्कि भावनात्मक पल था। इस दौरान मेरे मस्तिष्क में 500 सालों का संघर्ष और सैकड़ों लोगों की कुर्बानी चल रही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान देश भर में अपने दौरे और अलग-अलग परंपरागत परिधान पहनने पर सवाल उठाने वाली को भी घेरा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों में इतनी नफरत भर गई है कि हर चीज पर सवाल उठाते हैं। मैं पूर्वोत्तर के मणिपुर में जाता हूँ तो लोग परंपरागत वेशभूषा प्रदान करते हैं और मैं सम्मान के साथ पहन लेता हूँ।

■ इलैक्टोरल...
(प्रथम पृष्ठ का शेष)
खर्च किया जाता है, इस तथ्य से कोई इन्कार नहीं कर सकता है। मेरी पार्टी भी इसे खर्च करती है, सभी पार्टियों, चुनावी उम्मीदवार पर व्यय करते हैं जिसे वे जनता से प्राप्त करते हैं। मैंने सोचा कि हम (यदि) कुछ प्रयास करते हैं कि हमारे चुनाव इस काले घन से कैसे मुक्त हो और किस प्रकार पारदर्शिता हो? मेरे मन में एक शुद्ध विचार था। हम रास्ता तलाश रहे थे। हमें एक छोटा-सा तरीका मिला, हमने कभी यह दावा नहीं किया कि यही एकमात्र सही तरीका था। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से कहा कि उन्होंने यह कभी नहीं कहा कि जो निर्णय लिया गया था उसमें कमियाँ नहीं हो सकतीं और उन्होंने विपक्षी दलों पर भी आरोप लगाया कि वे "इलैक्टोरल बाण्ड्स स्कीम" पर झूठा प्रचार कर रही हैं।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने पेपरलोक माफिया पर हो रही कार्यवाही पर युवा वर्ग को राहत मिलने की बात कही तथा कहा कि, जहां समस्याएं हैं, हम वहां समाधान देते हैं।

■ मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस सिर्फ घोषणा पत्र जारी करती है। भाजपा आमजन से सुझाव लेकर संकल्प पत्र जारी करती है और उसे तय समय में पूरा भी करती है।

विपक्षी घमंडीया गठबंधन के पास ना तो नियत है, ना नेता है और ना ही नीति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हमारे पास 10 साल का रिपोर्ट कार्ड है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों, युवा, नारी, गरीब व किसान को सशक्त करने वाला है। राजस्थान, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के साथ है। हम प्रदेश की जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विकसित भारत 2047 के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हमारा संकल्प पत्र जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार किया गया एक पवित्र विजय दस्तावेज है।

योजना को 5 साल के लिए बढ़ाया गया, जन औषधि केंद्रों का विस्तार किया गया, जहां पर 80 प्रतिशत सस्ती दवाइयाँ मिलती हैं, आयुष्मान भारत के तहत 70 साल की आयु से ऊपर वाले बुजुर्गों को 5 लाख का मुफ्त इलाज, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ घर बनाने के बाद 3 करोड़ नए घर बनेंगे। पहले उज्ज्वला योजना के माध्यम से मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिये थे और अब गैस की पाईप लाइन बिछाने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, कांग्रेस केवल घोषणा पत्र जारी करती है, जबकि भाजपा आम जन से सुझाव लेकर संकल्प पत्र जारी करती है जिसे तय समय में पूरा भी किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल...

कोर्ट ने उस तारीख से पहले सुनवाई की तारीख देने से भी मना कर दिया।

पंजाब के मुख्यमंत्री व आप के नेता भगवंत मान ने दुख व्यक्त करते हुए कहा "यह देखकर बहुत कष्ट हुआ कि उन्हें (अरविंद केजरीवाल) को इतनी सुविधा भी जेल में नहीं मिल रही है जो एक दुर्गम अपराधी को भी सुहृदा होती है। उनका अपराध क्या है? यह कि उन्होंने अस्पताल बनवाये, स्कूल बनाये और जनता को मुफ्त में बिजली दी? वे उनके साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो कि केजरीवाल एक बहुत बड़े अपराधी हैं।"

पायलट ने जयपुर ग्रामीण के प्रत्याशी अनिल चौपड़ा के लिए विशाल जन आशीर्वाद सभा की

कोटपतली, 15 अप्रैल (निस)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सोमवार शाम जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर ग्राम मोलाहेड़ा में जयपुर ग्रामीण लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा के समर्थन में आयोजित विशाल जन आशीर्वाद रैली एवं जनसभा को सम्बोधित किया। पायलट को सुनने के लिये हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों का हुजूम उमड़ पड़ा। जनसभा में पायलट को अपने बीच पाकर लोगों में अपार जोश व उत्साह का माहौल देखने को मिला। मुख्य अतिथि पायलट का कांग्रेस प्रत्याशी चौपड़ा ने 101 मीटर लम्बा साफा बांधकर स्वागत किया।

सभा को सम्बोधित करते हुये पायलट ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने जयपुर ग्रामीण से एक युवा प्रत्याशी को मौका दिया है जो आपके आशीर्वाद से संसद में पहुँचा तो गरीब, किसान, मजदूर व नौजवान की आवाज को बुलंद करेगा।

पायलट ने केन्द्र की मोदी सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि, विगत 10 वर्षों के शासन में प्रधानमंत्री मोदी ने केवल किसान व नौजवान के साथ ही नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के साथ धोखा किया है। वो चाहे महिला हितों की बात हो या फिर केन्द्रिय एजेंसियों के

पायलट को देखने व सुनने के लिए लोगों का भारी हुजूम उमड़ा, लोगों में भारी जोश देखा गया

■ पायलट ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने जयपुर ग्रामीण से युवा प्रत्याशी को मौका दिया है, आपके आशीर्वाद से संसद में पहुँचा तो गरीब, किसान, मजदूर व नौजवान की आवाज बुलंद करेगा।

■ पायलट ने भाजपा और मोदी सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा, मोदी ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है।

■ सभा को राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र सिंह हुडा, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा तथा स्थानीय विधायकों व पूर्व मंत्रियों ने भी संबोधित किया। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने वीडियो संदेश भेजकर अनिल चौपड़ा को समर्थन दिया।

■ जयपुर ग्रामीण के प्रत्याशी अनिल चौपड़ा ने 101 मीटर लम्बा साफा बांधकर पायलट का स्वागत किया।

■ जनसभा में समर्थकों के साथ पहुँचे पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना को पायलट ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई। आर.एल.पी. प्रत्याशी सतीश मांडया भी कांग्रेस में शामिल हो गए।

जरिये नेताओं को घेरना हो। नोटबंदी व जी.एस.टी. जैसे उदाहरण आप सबके सामने हैं। पिछली बार जनता ने 300 सीट का आशीर्वाद दिया था तो क्या हुआ यह सब पूरे देश ने देखा। अगर गलती से इस बार पुनः सत्ता में आये तो क्या करेंगे इसका अन्दाजा भी लगाना मुश्किल है।

सभा को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि, कांग्रेस का वक्कर डरने वाला नहीं है। भारतीय जनता पार्टी विपक्षी दलों को डराकर चुनाव जीतना चाहती है लेकिन कांग्रेस का वक्कर किसी कीमत पर नहीं डरेगा। उन्होंने कहा, भाजपा डपकर

उनके नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। लेकिन वे किसी कीमत पर डरने वाले नहीं हैं चाहे उन्हें जेल जाना पड़े। रंधावा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज कोटपतली में यह जनसभा आयोजित हो रही है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद



पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जयपुर-दिल्ली हाइवे पर मोलाहेड़ा गाँव में कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चौपड़ा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। पायलट को सुनने के लिए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस जनसभा में पायलट के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित कई अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद थे।

वाहियाँ

कूल ऑफर्स की!



महल बचत
ALTO K10 ₹63 100* **S-PRESSO ₹58 100*** **SWIFT ₹43 100*** **WAGONR ₹63 100*** **CELERIO ₹58 100***



SMART FINANCE
 AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
 ▶ Pre-approved loans ▶ Multiple financiers
 ▶ Custom generated loans ▶ Loan status tracking
 Scan to know more



ALSO AVAILABLE VIA SUBSCRIPTION. SCAN TO KNOW MORE.
www.marutisuzuki.com/subscribe



SCAN THE QR CODE TO SELL YOUR CAR NOW.



SCAN TO CHAT WITH US

ALTO ^(K10) S-PRESSO SWIFT WAGONR CELERIO



E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: **NASIRABAD ROAD:** 6376631227. **BEAWAR:** 9667509515, 9269502259. **AJMER AUTO:** 9314531845/9024967833/9887312019/8302176266 **KEKRI:** 7412037585. **SAWAR:** 9829310828. **NASIRABAD:** 9887272563/7568174107. **PEESANGAN:** 7412023397. **VIJAYNAGAR:** 9460964962. **KISHANGARH:** 7014230025, 7412023372.

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. It is inclusive of Consumer offer, Corporate/Rural Offer (wherever applicable). All offers are valid till 30th April 2024 or till stocks last. Offers applicable on selected models/variants and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purpose only. *All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.